Presented By

# Topic- Learning

Prof. Dr. Naaz Bano
HOD- D.El.Ed.
Teachers' Training College,
Bhagalpur- 812003

# Introduction

परिचय

# अधिगम या सीखना (Learning)

- सीखना एक-सतत् प्रक्रिया है। जो जन्म से लेकर मृत्यु तक चलती है। व्यक्ति जन्म लेते ही सीखना शुरु कर देता है। यह व्यक्ति एवं किसी भी प्राणी की जन्मजात प्रकृती है। उदाहरण: बच्चे किसी जलती वस्तु को छूने की कोशीश करते हैं। और छूने के बाद ही उसे यह अहसास होता है कि जलती हुई वस्तु को छूना नहीं चाहिए। इसी प्रकार वह प्रशिक्षण एवं अनुकरण द्वारा बहुत सारी बातों की जानकारी प्राप्त करते हैं।

# सीखना – अर्थ एवं परिभाषा

- सीखने का सामान्य अर्थ होता है विभिन्न विषयों का ज्ञान प्राप्त करना और विभिन्न क्रियाओं का प्रशिक्षण प्राप्त करना। मनोवैज्ञानिकों ने सिखने को दो अर्थों मे लिया है:

1. एक प्रकिया के अर्थों के रूप में।
2. दुसरा परिणाम के अर्थ के रूप में।

# वुडवर्थ (Woodworth)

- वुडवर्थ (Woodworth) महोदय के अनुसार "नवीन ज्ञान और नवीन प्रतिक्रियाओं को प्रप्त करने की प्रक्रिया सीखने की प्रक्रिया है।"

# क्रो एवं क्रो (Crow & Crow)

- क्रो एवं क्रो (Crow & Crow) महोदय के अनुसार "सीखना, आदतों, ज्ञान और अभिवृत्तियों का अर्जन है।

# रिली एवं लेविस (Reilly and Lewis)

- रिली एवं लेविस (Reilly and Lewis) महोदय के अनुसार:
- “अभ्यास या सहानुभूति से व्यवहार में धारण योग्य परिवर्तन को सीखना कहा जाता है।

# सीखने की प्रकृति एवं विशेषताएँ

- सीखने की प्रकृति एवं विशेषताएँ निम्न हैं:
- 1. सीखना जन्मजात प्रकृति है।
- सीखना प्रक्रिया भी है और परिणाम भी है।
- सीखने का कोई उद्देश्य होता है।
- सीखना सतत् प्रक्रिया है।
- सीखने में तीन तत्व विद्यमान होते हैं ।
- सीखने में पूर्व अनुभव आधार होते हैं।
- सीखने पर वंशानुक्रम एवं पर्यावरण का प्रभाव पड़ता है।
- अभिप्रेरणा से सीखने की गति बढ़ती है।
- सीखने में अर्जित कार्य प्रमुख होते हैं।
- सीखने से व्यवहार में परिवर्तन अपेक्षाकृत स्थायी होता है।

# सीखने की प्रक्रिया (Process of Learning )

- सीखने की प्रक्रिया को देखना संभव नहीं है। लेकिन इसका अनुमान लगाया जा सकता है कि ब्लेयर, जोन्स, सिम्पसन महोदय ने सीखने की प्रकिया को छः चरणों में वर्णन किया है।

1. आवश्यकता (Need)
2. अभिप्रेरणा (Motivation)
3. अनुक्रिया (Responses)
4. पुर्नबलन (Reinforcement)
5. सामान्यीकरण (Generalisation)
6. बाधा (Barrier of goals)

# सीखने के प्रकार (Types of Learning)

1. संवेदन गति सीखना
2. गामक – सीखना
3. बौधिक सीखना

# सीखने के नियम (Laws of Learning)

- थार्नडाइक (Thorndike) महोदय के अनुसार
- Thorndike महोदय ने अपने अध्ययनों के आधार पर सीखने के कुछ नियम बताएँ हैं कि जिनकी उपयोगिता आज भी महत्व रखती है। शिक्षा के क्षेत्र में इन नियमों के प्रयोग से अध्ययन अध्यापन प्रकिया (Learning teaching process) को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता है। Thorndike महोदय ने इन नियमों को दो भागों में बाँटा है।

# सीखने के मुख्य नियम (Major Laws of Learning)

- Thorndike ने सीखने के मुख्य तीन नियम बताएँ हैं, जो निम्न हैं:

(a) Laws of readiness (तत्परता का नियम)

(b) Laws of exercise (अभ्यास का नियम)

(c) Laws of effect  (प्रभाव का नियम)

# सीखने के सहायक नियम (Subordinate laws of learning)

- Thorndike महोदय ने सीखने के 5 नियमों का प्रतिपादन किया है। इन्हें सीखने के गौण नियम (Secondary Laws of Learning) भी कहा जाता है, जो निम्न है:
- अभिवृति का नियम (Law of Attitude)
- बहु अनुक्रिया का नियम (Law of Multiple Responses)
- आंशिक क्रिया का नियम (Law of Partial Activity)
- अनुरूपता का नियम (Law of Analogy)
- सहचर्य परिवर्तन का नियम (Law of Association Shifting)